विषय - हिन्दी
धोरण - 10

गुण - 80
समय - 3 कलाक

विभाग - A गद्यविभाग

23/20

1 [B] स्वादेन्द्रिय (01)
2 [A] दन्तुल (01)

3 हमारे सुख - दुःख की छूत दूसरों पर भी लगती है। (01)
4 सुधा कुलकर्णी को साक्षात्कार के लिए पूना बुलाया गया। (01)

5 [C] फ्रांसीसी लेखक (01)
6 [B] बुद्धिराम (01)

7. हम बड़े - बड़े नेताओं की जय - जयकार करते हैं।
8. कालिदास संस्कृतभाषा के महाकवि थे।
9. सुधा कुलकर्णी ने नारायणमूर्ति से शादी की थी।

• दो या तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए। 2 + 2 = 04

10. दन्तुल उज्जयिनी राज्य का राजपुरुष था। उसके बाण से एक हरिण - शावक घायल हुआ था। घायल हरिण - शावक अपनी जान बचाने के लिए कालिदास की गोद में आ गया था। कालिदास उसे लेकर मल्लिका के घर आ गए थे। रास्ते में हरिण - शावक के टपकते खून को देखते हुए राजपुरुष दन्तुल अपने शिकार को खोजते हुए मल्लिका के घर पहुँचा था।

11. लड़के जब - तब बूढ़ी काकी को सताया करते थे। लड़कों में से कोई उन्हें चुटकी काटकर भागता था और कोई उन पर पानी की कुल्की कर देता था।

अथवा

11. विज्ञापन प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल कंपनी टेल्को की योग्य परिश्रमी इंजीनियरों की आवश्यकता के बारे में था। उसमें अंतिम पंक्ति

में छोटे-छोटे अक्षरों में लिखा था – 'महिला उम्मीदवार आवेदन न भेजें।' यह चौंकानेवाली बात थी।

• चार या पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए। (03)

12. रूपा के बड़े लड़के के तिलक में मेहमानों तथा अन्य लोगों को पूड़ियाँ, कचौड़ियाँ तथा मसालेदार सब्जियाँ परोसी गई थी। सब खा-पीकर सो गए, पर बूढ़ी काकी को खाने के लिए किसी ने न पूछा। रात को रूपा की नींद खुली तो उसने जो दृश्य देखा उससे उसका हृदय सन्न रह गया। भूख से व्याकुल बूढ़ी काकी जूठे पत्तलों से चुन-चुनकर पूड़ियों के टुकड़े खा रही थी। यह देखकर उसे अपनी भूल पर बहुत पश्चाताप हुआ। उसने सोचा कि जिसकी संपत्ति से उसे दो सौ रुपए वार्षिक आय होती है उसके साथ उसने यह कैसा बर्ताव किया।

अथवा

12. कालिदास एक संवेदनशील व्यक्ति थे। उनके हृदय में प्राणियों के प्रति बहुत प्यार था। वे उस पार्वत्य भूमि के निवासी थे, जहाँ लोग पशु-पक्षियों को अपनों में से, अर्थात् अपने मित्र मानते थे। कालिदास के क्षेत्र में हरिणों का आखेट अपराध माना जाता था। आहत हरिण-शावक को देखकर वे स्वयं आहत थे और उसे हर हालत में जीवित रखने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने दुष्यंत से स्पष्ट शब्दों में कह दिया था कि यह घायल हरिण-शावक उनकी पार्वत्य भूमि की संपत्ति है। वह यह सोचकर भूल कर रहा है कि वे इसे उसे सौंप देंगे। इन पंक्तियों से प्राणियों के प्रति कालिदास का प्रगाढ़ प्रेम का पता चलता है। मूक प्राणियों की रक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है।

• आशय स्पष्ट कीजिए। (03)

13. 'बुढ़ापा तृष्णारोग का अंतिम समय है।'

→ अपने जीवन में मनुष्य की तरह-तरह की कामनाएँ होती हैं। बचपन, किशोरावस्था, युवावस्था तथा प्रौढ़ावस्था तक मनुष्य को अच्छी-से अच्छी कामनाओं की पूर्ति की उतनी चिंता नहीं होती, जितनी वृद्धावस्था में। क्योंकि वृद्धावस्था में मनुष्य के जीवन के गिने-चुने वर्ष ही बचे रहते हैं। वह जीवन के बचे-खुचे वर्षों में अपनी कामनाओं को पूरा करने की हर हालत में कोशिश करता है। इसके लिए उसे बुरे-भले, मान-अपमान की परवाह नहीं होती। इसलिए...

अथवा

13. लड़कों का बूढ़ों से स्वाभाविक विरोध होता ही है।

→ लड़कों और बूढ़ों के बीच पीढ़ियों का अंतर होता है। हर बात के संबंध में दोनों की सोच में अंतर होना स्वाभाविक है। अधिकांश बूढ़े किसी बात को अपने ढंग से सोचते हैं और उसके बारे में उनकी अपनी धारणा बनी होती है। हर बात को अपने इसी पैमाने पर कसने का वे प्रयास करते हैं। जबकि, नई पीढ़ी के लड़कों की सोच नए ढंग की होती है। इसलिए दोनों में टकराव होना स्वाभाविक है।

[विभाग - B पद्यविभाग]

14 [B] सकना (01)

15 [D] गोवर्धन (01)

16 दिनकरजी

17 जन्मस्थान

18. [A] हिमालय

19. [B] वन की कँटीली झाड़ी में

• एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए। 1+1+1 = (03)

20. प्रभु चंदन है, तो भक्त पानी है।

21. यह भारतवर्ष हमारा है। हिन्दुस्तान हमारा है।

22. शिकारी कुत्ता पीछे पड़ा था।

• दो या तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए। 2+2 = (04)

23. गोपियों का श्रीकृष्ण से निश्छल प्रेम है। वे नहीं चाहतीं कि श्रीकृष्ण की झुरकी को वे अपने अधरों पर रखकर चूमी करें। वे इस चेष्टा को अपने प्रिय के साथ विश्वासघात मानती हैं।

24. मीरांबाई ने अपने सतगुरु की कृपा से 'रामरतन धन' नामक अमूल्य वस्तु प्राप्त की थी। मीरांबाई उसे अपने जन्म-जन्मांतर की पूँजी मानती हैं। इस धन की विशेषताएँ है कि यह न तो खर्च होता है और न कोई चोर इसे चुरा सकता है। इसमें रोज-रोज सवाई वृद्धि होती है।

अथवा

24. कवि ने भारत की धरती को सुनहरी कहा है। कवि ने कहा है कि हमारी धरती सदा प्रफुल्लित और पुलकित रहती है। इस धरती को राम, कन्हैया और सीता अपने पैरों की धूल से पवित्र बना गए हैं।

• चार या पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए। (03)

25. कवि रसखान श्रीकृष्ण और उनकी लीला-स्थली में अभिभूत हैं। वे हर उस चीज से सामीप्य चाहते हैं, जिनका संबंध श्रीकृष्ण से रहा है। वे अगले जन्म में गोकुल गाँव में जन्म लेकर वहाँ के ग्वालों के बीच उसी तरह रहना चाहते हैं, जैसे कृष्ण रहते थे। श्रीकृष्ण नंद की गायों के बीच चरना चाहते हैं। यमुना के किनारे कदंब के पेड़ों पर चढ़कर बचपन में श्रीकृष्ण ग्वाल-बा

के साथ क्रीड़ा करते थे। पक्षी के रूप में जन्म लेकर रसखान इन्हीं कदंब के वृक्षों पर बसेरा करना चाहते हैं। अगर वे पत्थर बनें, तो उसी पर्वत का पत्थर बनने की कामना करते हैं, जिसे श्रीकृष्ण ने अपने हाथों पर उठा लिया था।

अथवा

25 मीरां श्रीकृष्ण के प्रेम में पड़कर संसार से विरक्त हो गई थी। उन्होंने संसार के नियमों और मर्यादाओं की परवाह नहीं की। उन्हें पैरों में घुंघरू बाँधकर नाचते देख लोगों ने उन्हें पागल कहा। साधु-संतों के साथ बैठी देखकर लोगों ने उनकी हँसी उड़ाई। सास को उनकी भक्ति भावना अच्छी नहीं लगी। उन्होंने मीरा को कुलनाशिनी कहा। राणा को मीरां का रंग-ढंग राज परिवार के खिलाफ लगा और उन्होंने मीरा को जहर देकर मारने की कोशिश की।

• आशय स्पष्ट कीजिए। (03)

26. शास्त्रों में कहा गया है कि जान महत्वपूर्ण है। अपनी जीविका के लिए वही उद्यम करो, जिसमें जान पर कोई आँच न आए। पर जब जान पर संकट आ जाए, तो प्राण रक्षा के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा दो। ऐसे अवसर पर शरीर में विशेष शक्ति का संचार हो जाता है।

अथवा

26 मीरांबाई अपने आराध्य देव श्रीकृष्ण के प्रेम की दीवानी हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए उन्होंने अपने भाई, बंधु, परिवारजनों और सभी सगे-संबंधियों से रिश्ता तोड़ लिया है। उन्होंने तरह-तरह की बदनामियाँ सही हैं और लाज-शर्म सबको तिलांजलि दे दी है। कहने का अर्थ यह है कि उन्होंने अपना सर्वस्व सौंपकर अपने अन्तर्-अभ्यांतर [illegible]

नाम रूपी अमूल्य पूंजी प्राप्त की है। यह ऐसी पूंजी है जिसका कोई जोड़ नहीं है।

[विभाग - C व्याकरण विभाग]

27. सच्चा न्याय करना। (01)
28. घटनास्थल (01)
29. परम + आनंद (01)
30. व्याकुल (01)
31 सब्जबाग दिखाना
अर्थ :→ बड़े - बड़े झूठे वादा करना। (01)
वाक्य :→ संपत्ति लिखाते समय पं. बुधिराम (01)
ने बूढ़ी को सब्जबाग दिखाए थे।

32. सौभाग्य × दुर्भाग्य (01)
33 उपस्थित × अनुपस्थित (01)

34 शक्ति = ताकत, और (01)
35. कालिंदी = यमुना (01)

36 पिता = पितृत्व (01)
37 कोमल = कोमलता (01)

38 संगीत - संगीतज्ञ (01)
39 बात - बातूनी (01)

40 प्रदेश - प्रादेशिक (01)
41 दिन - दैनिक (01)

42 हरिण शावक - तत्पुरुष समास (01)
43 नवग्रह - द्विगु समास (01)

[विभाग - D लेखन विभाग]

• संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (03)

44 ई-मेल अथवा आकाशवाणी

विषयोचित विषयवस्तु, वर्तनी, विरामचिह्नों को ध्यान में रखकर गुणांकन करना।

• परिच्छेद पढ़कर उत्तर लिखिए। 1+1+1+1=(04)

उत्तर (45) भारतीय समाज को अपनी संस्कृति के मौलिक सिद्धांतो की अवहेलना करते देखकर लेखक का हृदय फटता है।

(46) मनुष्य का चरित्र नष्ट होने पर उसका सबकुछ नष्ट हो जाता है।

(47) संसार पर विजय पाने की अपेक्षा अपनी आत्मा पर विजय पाने का श्रेष्ठ आदर्श ही हमारी संस्कृति का सार है।

(48) उचित शीर्षक : गीता का संदेश,
गीता और जीवनकला,
आत्म सुख ही सच्चा सुख है।

49 • पत्रलेखन (05)
पता - 1 गुण
संबोधन - 1/2 गुण
विषयवस्तु - 3 गुण
अंत - 1/2 गुण

50. कहानी लेखन। (05)
शीर्षक - महात्मा का न्याय (01) गुण
विषयोचित लेखन, वर्तनी, विरामचिह्न आदि को ध्यान में रखकर गुणांकन करना। (03)
बोध :→ हमें किसी को दंड देने का अधिकार नहीं है। (01)

5.1 निबंध लेखन । (07)

* मेरा प्रिय शिक्षक अथवा

* मेरा भारत महान अथवा

* प्रदूषण एक विकट समस्या

विषयोचित लेखनकार्य, छोटे, स्पष्ट और अर्थपूर्ण वाक्य, वर्तनी, विरामचिह्नों को ध्यान में रखकर गुणांकन करना।

Daxaben. J. Prajapati
D.N. High School.